नवआरक्षकों ने ली राष्ट्र रक्षा की शपथ

- दीक्षांत परेड का आयोजन, अनुशासन का किया प्रदर्शन
- 141 नव आरक्षक हुए पासआउट, 44 सप्ताह तक चला कठोर प्रशिक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. सीमा सुरक्षा बल के सहायक प्रशिक्षण केंद्र एसटीसी बिजासन में शुक्रवार को आरक्षक बैच क्रमांक 205 की दीक्षांत परेड आयोजित हुई. इस दौरान 141 नव आरक्षकों ने राष्ट्र रक्षा और संविधान की अखंडता बनाए रखने की शपथ ली.परेड के मुख्य अतिथि आलोक कुमार सिंह, महानिरीक्षक, एसटीसी एवं सीएसडब्ल्यूटी, बीएसएफ इंदौर रहे. परेड की शुरुआत नव आरक्षकों द्वारा द्वितीय कमान अधिकारी प्रशिक्षण शैलेश कुमार मिश्रा, मुख्य प्रशिक्षक समादेष्टा भालेंदु त्रिवेदी और मुख्य अतिथि आलोक कुमार सिंह को सलामी देने से हुई.

परेड कमांडर गोरे केशव के नेतृत्व में नव आरक्षकों ने अनुशासन और पराक्रम का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. शपथ ग्रहण समारोह के बाद जवानों ने डम्बल शो और भांगड़ा नृत्य जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी. मुख्य अतिथि आलोक कुमार सिंह ने नव आरक्षकों की शानदार परेड और अनुशासित प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ये जवान अब राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में अहम भूमिका निभाएंगे. उन्होंने प्रशिक्षण देने वाले अधिकारियों और नव आरक्षकों के अभिभावकों को भी विशेष बधाई दी. इस अवसर पर एसटीसी के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षक, जवानों के परिजन और बड़ी संख्या में अतिथि उपस्थित रहे. समारोह के अंत में नव आरक्षकों ने सलामी देते हुए मातृभूमि की सेवा का संकल्प दोहराया.

44 सप्ताह का कठिन प्रशिक्षण–इन नव आरक्षकों को 44 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान हथियार संचालन, ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, मैप रीडिंग, निशानेबाजी, सीमा निगरानी, आतंकवाद-निरोधक कौशल और युद्ध कला जैसे विषयों में प्रशिक्षित किया गया. प्रशिक्षण के उपरांत अब ये सभी नव आरक्षक देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाएंगे. इस बैच में देश के विभिन्न राज्यों से शामिल 141 आरक्षकों में उत्तर प्रदेश के 52, राजस्थान के 26, मध्यप्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 7, हरियाणा के 5, पंजाब के 5, पश्चिम बंगाल के 5, हिमाचल के 6, दिल्ली के 10, जम्मू-कश्मीर के 5, आंध्र प्रदेश के 2, बिहार के 2 सहित अन्य राज्यों से आए जवान शामिल हैं.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवान सम्मानित

प्रशिक्षण के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षकों को मुख्य अतिथि ने पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. इसमें ओवरऑल प्रथम - नव आरक्षक कपिल चौहान, ओवरऑल द्वितीय- नव आरक्षक शेख जुबैर, शारीरिक दक्षता में श्रेष्ठ- नव आरक्षक सेबेस्टियन मैथ्यू, सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज- नव आरक्षक कृष्ण सैनी, ड्रिल में श्रेष्ठ- नव आरक्षक गोरे केशव शामिल हैं.

रिटायर्ड आबकारी अधिकारी के परिवार के दो लॉकरों से मिला 3 .85 करोड़ का सोना-हीरा

- बेटी, बेटे और बहू के नाम पर खोले गए बैंक लॉकरों में छिपाए थे आभूषण
- वकीलों के जरिए दबाव बनाने की कोशिश भी नाकाम

नव भारत न्यूज

इंदौर. रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं. लोकायुक्त टीम ने शुक्रवार को भदौरिया के परिवार से जुड़े दो और बैंक लॉकरों से करीब 3 करोड़ 85 लाख रुपए कीमत के सोने और हीरे के जेवरात जब्त किए हैं. ये लॉकर उनकी बेटी अपूर्वा भदौरिया, बेटे सूर्यांश और बहू मिनी शुक्ला भदौरिया के नाम पर थे.

लोकायुक्त टीम ने देवास नाका स्थित कैनरा बैंक में अपूर्वा के नाम से संचालित लॉकर खोला, जिसमें से करीब 1.5 करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण निकले. इसके बाद एचडीएफसी बैंक के लॉकर से 2 करोड़ 35 लाख रुपए कीमत के सोने-हीरे के जेवर जब्त किए गए. एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि केवल सोने का वजन ही करीब 3.6 किलो निकला है. सूत्रों का कहना है कि धर्मेंद्र भदौरिया को पहले से अंदेशा था कि लोकायुक्त जल्द ही लॉकरों की जांच करेगी. वह वकीलों के माध्यम से बैंक प्रबंधन पर दबाव बनाकर लॉकर खुलवाने की कोशिश कर रहा था, ताकि आभूषणों को निकाल सके.

हालांकि बैंक अधिकारियों ने लोकायुक्त को सूचना दी और लॉकर पहले ही फ्रीज कर दिए थे. कैनरा बैंक में कार्रवाई निरीक्षक रेणु अग्रवाल के नेतृत्व में हुई, जबकि एचडीएफसी बैंक में डीएसपी सुनील तालान ने टीम संभाली. दोनों जगह लॉकर खोलने से पहले विस्तृत वीडियोग्राफी करवाई गई. गौरतलब है कि लोकायुक्त ने इससे पहले भदौरिया के कैलाश कुंज स्थित अपार्टमेंट पर छापा मारा था, जहां से करीब 80 लाख रुपए कीमत का सोना बरामद किया था. अब तक की कार्रवाई में भदौरिया और उनके परिवार से करीब 4.5 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्ति जब्त की जा चुकी है. लोकायुक्त सूत्रों के मुताबिक, यह मामला अब गैर अनुपातिक संपत्ति के बड़े केस के रूप में उभर रहा है. टीम ने परिवार के सभी खातों, निवेशों और संपत्तियों की जांच तेज कर दी है.

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में छात्रा से रैगिंग

- चार सीनियर डॉक्टरों पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप

इंदौर, 24 अक्टूबर. एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट की एक छात्रा ने अपने चार सीनियर रेजीडेंट डॉक्टरों पर गंभीर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है.

छात्रा ने राष्ट्रीय एंटी रैगिंग सेल को दी शिकायत में कहा है कि सीनियर्स उसे लगातार डराते-धमकाते रहे, ऑपरेशन थिएटर की पोस्टिंग से हटाने की धमकी दी और उसकी मेडिकल लीव को लेकर गलत अफवाहें फैलाईं. छात्रा का कहना है कि उसे अत्यधिक नाइट ड्यूटी के लिए मजबूर किया और वॉट्सऐप ग्रुप पर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की गई. लगातार तनाव और दबाव के चलते उसका वजन चार महीनों में करीब 22 किलो कम हो गया और उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती होना पड़ा. सूत्रों ने बताया कि यह काम के बोझ का नहीं बल्कि मानसिक उत्पीड़न का मामला है. सीनियर्स ने मुझे इस हद तक अपमानित किया कि मेरी मानसिक स्थिति बिगड़ गई. परिवार का कहना है कि वह मानसिक रूप से टूट चुकी है और इस समय उसका इलाज चल रहा है.

शिकायत में छात्रा ने बताया कि जब उसने मेडिकल लीव ली तो वॉट्सऐप ग्रुप में उसे 'झूठी' बताया गया और कहा गया कि वापसी पर छह महीने तक ओटी ड्यूटी नहीं दी जाएगी. साथ ही चेतावनी दी गई कि सजा के तौर पर अतिरिक्त नाइट शिफ्ट करनी होगी. ईमेल के माध्यम से शिकायत मिलने के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू कर दी है. समिति की अध्यक्ष डॉ. पूनम डे सरकार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई शुरू की गई है. जल्द ही छात्रा और सीनियर डॉक्टरों के बयान दर्ज किए जाएंगे, जिसके बाद रिपोर्ट राष्ट्रीय एंटी रैगिंग सेल और कॉलेज प्रशासन को सौंपी जाएगी.वहीं प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के एचओडी डॉ. निलेश दलाल का कहना है कि मामला एंटी रैगिंग कमेटी के पास है. जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

लापरवाही मिलने पर दो अधिकारियों पर कार्रवाई

- कलेक्टर श्री वर्मा ने सांवेर मंडी का किया निरीक्षण

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप किसानों को उनकी सोयाबीन उपज का उचित दाम दिलाने के लिए आज से राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ की गई है. मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए माकूल इंतजाम किए गए हैं. इन इंतजामों का निरीक्षण करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा सांवेर मंडी भी पहुँचे.

मंडी में विभिन्न तरह की लापरवाही पाये जाने तथा सौपे गये दायित्वों का निर्वहन नहीं करने पर दो अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए. उन्होंने मंडी सचिव रमेशचंद्र सावदिया को कारण बताओ नोटिस देने तथा सहायक यंत्री मनोज चौधरी को निलंबित करने हेतु निर्देशित किया. कलेक्टर ने मंडी में किसानों के लिए सुविधाओं को देखा, किसानों से चर्चा की और खरीदी कार्य का जायजा लिया. कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी मंडियों में यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी तरह से किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े. उनके लिए भोजन, पेयजल, शयन, पर्याप्त पार्किंग, समय पर खरीदी, समय पर तुलवाई, समय पर भुगतान आदि की व्यवस्था रहें. इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पंवार नवजीवन विजय, एसडीएम घनश्याम धनगर भी मौजूद थे.

किसानों के नाम पर मंडी बोर्ड को कंगाल करने की साजिश

- किसान नेता बबलू जाधव ने लगाया गंभीर आरोप

इंदौर. प्रदेश में किसानों के हितों के नाम पर एक बार फिर मंडी बोर्ड को आर्थिक गर्त में धकेलने की तैयारी चल रही है. सोयाबीन में भावांतर योजना के तहत किसानों को राहत देने के नाम पर सरकार मंडी बोर्ड से लगभग 2000 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है, जबकि मंडी बोर्ड के पास अपने 700 से अधिक कर्मचारियों को वेतन देने तक के पैसे नहीं हैं.

यह आरोप किसान नेता बबलू जाधव ने लगाए हैं. उन्होंने इस फैसले को प्रदेश के किसानों और मंडी कर्मचारियों दोनों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि मंडी बोर्ड की सालाना आय महज 400 करोड़ रुपए है, जिसमें से 300 करोड़ रुपए केवल स्थापना व्यय में खर्च हो जाते हैं. ऐसे में 2000 करोड़ का कर्ज लेना बोर्ड को कंगाली की कगार पर ले जाएगा. उन्होंने कहा कि पहले भी मंडी बोर्ड को किसानों का तारणहार बताकर लूटा गया. 1998 में 1,082 करोड़ रुपए तिलहन संघ को दिए गए, जो आज तक वापस नहीं आए. 2017 में 500 करोड़ का भावांतर के नाम पर लोन लिया गया, वो भी लौटाया नहीं गया. अब फिर वही खेल दोहराया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा षड्यंत्र मंडी बोर्ड को कमजोर कर, केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों को चुपचाप लागू करने की तैयारी का हिस्सा है. जब कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा, पेंशन नहीं मिलेगी, तो वे मौन हो जाएंगे और किसानों का विरोध भी कमजोर पड़ जाएगा. जाधव ने चेतावनी दी कि यदि मंडी बोर्ड के संसाधनों का दुरुपयोग बंद नहीं किया गया, तो वे प्रदेशभर के किसानों और मंडी कर्मचारियों के साथ बड़ा आंदोलन छेडऩे को बाध्य होंगे.

किसान नेता ने की यह मांग...

मंडी बोर्ड से कर्ज लेने की बजाय सरकार खुद किसानों को राहत देने की जिम्मेदारी ले.
मंडी कर्मचारियों का संविलियन जल्द से जल्द किया जाए.
मंडी बोर्ड की आय को किसानों और कर्मचारियों की भलाई के लिए सुरक्षित रखा जाए.
भावांतर की राशि राज्य बजट से सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर की जाए.

नई पीढ़ी देखती है, सुनती है लेकिन पढ़ती नहीं

- स्टेट प्रेस क्लब के रूबरू कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार जयंतो घोषाल ने रखी बेबाक राय

इंदौर. पत्रकारिता की नई पीढ़ी देखती है, सुनती है लेकिन पढ़ती नहीं है. यह पीढ़ी सोशल मीडिया को ही सबकुछ मान बैठी है. प्रिंट मीडिया का असर कम होने की वजह भी यही है.

यह बात वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक जयंतो घोषाल ने कही. श्री घोषाल स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'रूबरू' कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पुरानी पीढ़ी के पत्रकार खूब पढ़ते थे और फिर असरकारक लिखते थे. लेकिन नई पीढ़ी नालेज बेस जर्नलिज्म को छोड़कर एआई, मेटा, जैमिनी, चेट-जीपीटी को सबकुछ मान बैठी है. बेहतर पत्रकारिता के लिए पुराने और नए दौर की अच्छी बातों को लेकर काम करना चाहिए.

पत्रकारिता के गिरते स्तर के सम्बन्ध में श्री घोषाल ने कहा कि हर दौर में लगता है कि पत्रकारिता का स्तर गिर रहा है लेकिन इसमें नया कुछ नहीं है. हर दौर में अलग-अलग किस्म की चुनौतियाँ होती हैं. प्रारम्भ में एनडीटीवी के कंसल्टिंग एडिटर जयंतो घोषाल एवं श्रीमती प्रज्ञापारमिता घोषाल का स्वागत एवं स्मृति चिन्ह भेंट प्रवीण खारीवाल, मनोहर लिम्बोदिया, रवि चावला, पंकज क्षीरसागर, अभिषेक बडजात्या, संजय मेहता, समीर खान, मीना राणा शाह, रचना जौहरी, सोनाली यादव ने किया। यशवर्धन सिंह ने आभार व्यक्त किया।

बेहतर पत्रकारिता करने से किसने रोका...?

गोदी मीडिया के संदर्भ में श्री घोषाल ने कहा कि हाल ही में उन्होंने अडानी समूह के एनडीटीवी में बतौर कंसल्टिंग एडिटर ज्वाइन किया है। छः माह के कार्यकाल में उन्हें कभी पक्षपात करने का संकेत भी नहीं दिया गया। मीडिया जगत में गोदी मीडिया की बातें खूब चलती हैं लेकिन किस पत्रकार को एक्सक्लूसिव स्टोरी करने से रोका गया है? पत्रकारों ने विशेष और खोजपरक पत्रकारिता ही बंद कर दी है.

एक नजर में

कार्बाइड गन के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध

इंदौर. कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने मानव जीवन की सुरक्षा और जन स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम के लिये कार्बाइड गन के निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, प्रदर्शन तथा उसके संचालन पर प्रतिबंध लगाया है. यह प्रतिबंध इंदौर जिले की राजस्व सीमा में लागू रहेंगे. इस संबंध में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी. इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वर्मा भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है. जारी आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति/संस्थायें, व्यापारी प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी, लोहा/स्टील अथवा पीवीसी पाईपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (कार्बाइड गन) का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, वितरण, प्रदर्शन तथा उसके संचालन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है. एसडीएम/कार्यपालिक दण्डाधिकारी/पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभाग इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करायेंगे. इसका उल्लंघन की दशा में तत्काल नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करायेंगे. इस प्रकार के पटाखे चलाने से एक ओर जहां अत्यधिक ध्वनि पैदा होता है वहीं दूसरी ओर इससे आम जन के स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. ऐसी परिस्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि इस प्रकार की गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाकर मानव जीवन की सुरक्षा हेतु खतरे को कम किया जा सके. इसको देखते हुए उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 22 दिसम्बर तक प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत कार्यवाही की जा सकेगी.

छठ महापर्व की शुरुआत आज नहाय खाय से

इंदौर. सूर्य उपासना और लोक आस्था का प्रतीक छठ महापर्व आज नहाय-खाय के साथ आरंभ होगा. दीपावली के बाद आने वाला यह चार दिवसीय पर्व शुद्धता, संयम और श्रद्धा का अद्भुत संगम है, जिसमें व्रती महिलाएं और पुरुष प्रकृति एवं सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं. सुबह से ही व्रतधारी परिवार अपने घरों की सफाई, शुद्धिकरण और सात्विक भोजन की तैयारी में जुट गए. नहाय-खाय के साथ छठ व्रतियों द्वारा गेहूं धोने और सुखाने की परंपरा निभाई जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में सूर्यदेव को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद की तैयारी होती है. शुक्रवार को विजय नगर छठ घाट पर पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्यप्रदेश, नगर निगम और मुस्लिम समाज के सदस्यों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया. इस अवसर पर संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह, आयोजन समिति के पदाधिकारी अरविंद सिंह, अभय सिंह, अमजद राईन, मूसा भाई, सादिक खान सहित नगर निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे. पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्यप्रदेश के महासचिव के. के. झा ने बताया कि इस वर्ष इंदौर के 150 से अधिक घाटों पर छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है. सभी समितियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों की सफाई और सजावट के अंतिम चरण में हैं. इंदौर और आसपास के प्रमुख छठ स्थलों – स्कीम नं. 54, 78, टिगरिया बादशाह, कैट रोड सूर्य मंदिर, सुखलिया, श्याम नगर, तुलसी नगर, समर पार्क, निपानिया, तपेश्वरी बाग, फीनिक्स टाउनशिप, पिपलियाहाना तालाब, एरोड्रम रोड, राऊ और पीथमपुर – पर श्रद्धालु डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे.

अग्रवाल वैश्य समाज का परिचय सम्मलेन 15-16 नवंबर को

इंदौर. अग्रवाल यूथ फेडरेशन के तत्वावधान में अग्रवाल समाज का अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मलेन का दिव्य आयोजन 15-16 नवंबर को गाँधी हॉल प्रांगण पर होगा. संस्था द्वारा देश के विभिन्न शहरों में अब तक 194 राष्ट्रीय स्तर के परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं. इन सम्मेलनों के माध्यम से प्रति वर्ष औसतन तीन हजार से अधिक रिश्ते तय होते आए हैं. परिचय सम्मलेन के अवसर पर बहुरंगी परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है. फेडरेशन के अध्यक्ष राधाकिशन अग्रवाल ने बताया कि अब तक 600 पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं. इनमें अधिकांश प्रत्याशी उच्च शिक्षित होकर एम.बी.ए., एम.सी.ए., डॉक्टर, सी.ए. एवं अपने-अपने प्रतिष्ठित कारोबार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं. सभी प्रत्याशियों के सचित्र परिचय बहुरंगी स्वरूप में प्रकाशित किए जा रहे हैं. सम्मलेन की दिव्यता को देखते हुए विभिन्न समितियों का गठन किया जा रहा है, जिनमें 80 कार्यकर्ता अपनी सेवाएँ देंगे। सम्मलेन के प्रति समाज बंधुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, क्योंकि सोशल मीडिया पर पहली सूचना जारी होने के बाद ही एक सप्ताह की अवधि में 600 पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं. आयोजन से जुड़े ललित बिंदल एवं विजय बाबू बंसल ने बताया कि पिछले 36 वर्षों से लगातार संस्था द्वारा गाँधी हॉल परिसर में परिचय सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है. कोरोना काल को छोड़कर अब तक लगातार परिचय सम्मलेन होते रहे हैं। इस बार भी पत्रिका मिलान के लिए उज्जैन से प्रकांड ज्योतिषी एवं विद्वान आमंत्रित किए गए हैं जो सम्मलेन स्थल पर दोनों दिन अपनी सेवाएँ देंगे. प्रत्याशी व्हाट्सअप पर पंजीयन नहीं करा पा रहे हैं वे संस्था के 24/2, उषागंज, छावनी इंदौर के पते पर भी अपने पंजीयन आवेदन भिजवा सकते हैं.

सांसद कार्यालय पर दीपावली मिलन समारोह

इंदौर. सांसद कार्यालय में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया. कार्यक्रम में शहरभर से जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, व्यापारीगण और गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई. सांसद शंकर लालवानी द्वारा आयोजित इस समारोह में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, प्रदेश सरकार के मंत्री तुलसी सिलावट, भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, विधायक महेंद्र हार्डिया, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक गोलू शुक्ला महापौर पुष्यमित्र भार्गव मुख्य रूप से उपस्थित रहे. सांसद लालवानी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीपावली मिलन का यह आयोजन सिर्फ त्योहार की खुशियों का नहीं, बल्कि समाज और जनप्रतिनिधियों के संवाद और जुड़ाव का प्रतीक है.इंदौर की एकता, स्वच्छता और विकास में सभी समाजों का योगदान रहा है और यही हमारी असली पूंजी है. कार्यक्रम में सांसद सेवा संकल्प से जुड़े विशाल गिदवानी, मनीष बाशानी, बंटी गोयल,कपिल जैन,सागर अरिजा, रितेश पाटनी, सतीश शर्मा, पवन शर्मा, मोहन सिंह कछावा, मूलचंद शर्मा, नीलेश उपाध्याय, संकल्प वर्मा, कमल गोस्वामी आदि उपस्थित थे.

पारीक महासभा का दीपावली मिलन समारोह कल

इंदौर. अखिल भारतीय पारीक महासभा द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन 26 अक्टूबर को छावनी स्थित मोदी परिसर में किया जा रहा है, इसमें भगवान को 56 भोग लगाकर महाआरती की जाएगी। प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा. महासभा के अध्यक्ष कैलाश चंद पारीक, सचिव मनीष शर्मा ने बताया कि महासभा का रविवार को आयोजित होने वाले दीपावली मिलन समारोह में भगवान को 56 तरहो के पकवानों का छप्पन भोग छप्पन भोग लगाया जाएगा, 108 दीपों से मां आरती होगी. 1500 से अधिक समाजजन सम्मिलित होकर भगवान की आराधना करेंगे. आयोजन की तैयारी अंतिम चरणों में है, आयोजन में 1500 से अधिक समाजजन सम्मिलित होंगे. आयोजन में समाज के प्रतिभा भवन छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा. महोत्सव में भजन संध्या आयोजित की गई है जिसमें भजन गायक मुकेश महाराज द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी.

एक नजर में — डाक विभाग की मेजबानी में आयोजित हुआ 17वां रोजगार मेला

रोजगार मेले में 102 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

इंदौर. भारतीय डाक विभाग इंदौर परिक्षेत्र की मेजबानी में शुक्रवार को रविंद्र नाट्य गृह में 17वें रोजगार मेले का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्र सरकार के रेलवे, वित्त, उच्च शिक्षा, आयकर एवं डाक विभाग आदि विभागों के देशभर के लगभग 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को 40 केन्द्रों पर वर्चुअल नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए. इन्दौर में 102 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए. इसमें से 25 अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए.

कार्यक्रम में इंदौर सेंटर पर दूरस्थ स्थानों से जैसे खंडवा, मंदसौर, रतलाम, सीहोर, उज्जैन, धार, देवास के साथ-साथ इंदौर से भी केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नव नियुक्त अभ्यर्थी भी आए थे. ज्ञात हो, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिवर्ष आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए नियमित अवसर निर्मित हो रहे हैं और युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का कार्य मंत्रालय दुर्गादास उईके, प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायकगण महेंद्र हार्डिया और गोलू शुक्ला विशेष रूप से मौजूद थे. कार्यक्रम में उपस्थित 105 चयनित अभ्यर्थियों में से 25 अभ्यर्थियों को केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए.

ये भी रहे उपस्थित–कार्यक्रम में डाक विभाग के साथ एसबीआई, रेलवे, आईआईटी, एनसीबी, बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी आदि विभागों के चयनित अभ्यर्थी एवं इन विभागों के नोडल ऑफिसर्स उपस्थित रहे. इसके अलावा डाक विभाग की ओर से महाप्रबंधक वित्त भोपाल शाहनवाज आलम, क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर से डीके डोंगरे, सहायक निदेशकगण प्रवीण श्रीवास्तव, राजेंद्र व्यास और शिवांसु कुमार, प्रवर अधीक्षक इंदौर नगर संभाग ओपी चौहान, अधीक्षक इंदौर मोफसिल संभाग उमाकांत शाक्यवार आदि अधिकारीगण भी मौजूद थे.

युवाओं के हित में काम कर रहे : पीएम

इस अवसर पर अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है. हम भारत के युवा सामर्थ्य को भारत की बड़ी ताकत मानते हैं. हर क्षेत्र में हम इसी सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं. यहां तक कि हमारी विदेश नीति भी हमारे युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है. हमारी डिप्लोमेटिक टास्क, हमारे ग्लोबल एमओयू, इनमें युवाओं की ट्रेनिंग, अप-स्किलिंग और एम्पलायमेंट जनरेशन को भी शामिल किया जा रहा है. कई देशों के साथ समझौते हुए हैं. इनसे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, स्टार्ट-अप्स और एमएसएमईएस को सपोर्ट मिलेगा. एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी होगी और युवाओं को ग्लोबल प्रोजेक्ट्स पर काम करने के अनेक नए मौके मिलेंगे.उन्होंने कहा कि हमें निरंतर 'विकसित भारत' के लक्ष्य के लिए काम करना है. इस यात्रा में आपको 'आईगॉट कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म' से बहुत मदद मिल सकती है. लगभग डेढ़ करोड़ कर्मचारी इस मंच से जुडक़र सीख रहे हैं, आप भी इनसे जुड़ेंगे तो आपमें नई कार्य संस्कृति और गुड गवर्नेंस की भावना विकसित होगी.